नवीन पाठ्यक्रम

Name : .....

Roll No. : .....

कुल प्रश्नों की संख्या : 14] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या :

O-212010–C

विषय : हिन्दी

समय : **3 घण्टे**] [पूर्णांक : **80**

निर्देश : (*i*) **सभी** प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भाषा का प्रमुख गुण है—सृजनशीलता। हिन्दी में सृजनशीलता का अद्‌भुत गुण है, अद्‌भुत क्षमता है, जिससे यह निरंतर प्रवाहमान है। हिन्दी ही ऐसी भाषा है, जिसमें समायोजन की पर्याप्त और जादुई शक्ति है। अन्य भाषाओं और संस्कृतियों के शब्दों को हिन्दी जिस अधिकार और सहजता से जज्ब करती है, उससे हिन्दी की संभावनाएँ प्रशस्त होती हैं। हिन्दी के लचीलेपन ने अनेक भाषाओं के शब्दों को ही नहीं उसके सांस्कृतिक तेवरों को भी अपने में समेट लिया है। यही कारण है कि हिन्दी सामाजिक संस्कृति की तथा विभिन्न भाषा-भाषियों और धर्मावलंबियों की प्रमुख पहचान बन गई है। अरबी, फारसी, तुर्की, अंग्रेजी आदि के शब्द हिन्दी की शब्द सम्पदा में ऐसे मिल गए हैं, जैसे वे जन्म से ही इस भाषा परिवार के सदस्य हों, यह समाहार उसकी जीवंवता का प्रमाण है।

आज हम परहेजी होकर शुद्धतावाद की जड़ मानसिकता में कैद होकर नहीं रह सकते। सूचना क्रांति, तकनीकी विकास और वैज्ञानिक आविष्कारों के दबाव ने हमें सबसे संवाद के अवसर दिए हैं। विश्व ग्राम की संकल्पना से हिन्दी को कदम-कदम चलना होगा। इसके लिए आवश्यक है—आधुनिक प्रायोजनों के अनुरूप विकास और भाषा, लिपि से संबंधित यांत्रिक साधनों का विकास। इंटरनेट से लेकर बाजार तक तथा राज-काज से लेकर शिक्षा और न्याय के मंदिरों तक हिन्दी को उपयोगी बनाने और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए उसका सरल-सहज होना आवश्यक है। उसकी ध्वनि, लिपि, शब्द-वर्तनी, वाक्य-रचना का मानकीकृत होना भी जरूरी है। सरकार की तत्परता के साथ हम जनता की दृढ़ इच्छाशक्ति, सजगता और सचेष्टता को जोड़ दें, तो वह दिन दूर नहीं जब हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय सरहदों में भारत की रहनुमाई होगी।

(*i*) हिन्दी की समायोजन शक्ति से लेखक का क्या अभिप्राय है ? [2]

(*ii*) हिन्दी भाषा के संदर्भ में शुद्धतावादी होने का क्या अभिप्राय है ? [2]

(*iii*) हिन्दी को सबसे संवाद स्थापित करने का अवसर कैसे मिला है ? [2]

(*iv*) सबके साथ कदम मिलाकर चलने के लिए क्या आवश्यक है ? [2]

(*v*) 'समायोजन' और 'सहजता' शब्दों में से उपसर्ग और प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए। [2]

(*vi*) 'जड़' और 'जन्म' शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। [1]

(*vii*) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। [1]

प्रश्न-2 **अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

वह तोड़ती पत्थर,

देखा उसे मैंने इलाहाबाद के

पथ पर।

वह तोड़ती पत्थर

कोई न छायादार पेड़

वह जिसके तले बैठी हुई

स्वीकार

श्याम तन, भर बंधा यौवन

नत नयन, प्रिय कर्मरत मन

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार-बार प्रहार

सामने तरु मालिका

अट्टालिका प्राकार।

(*i*) 'वह तोड़ती पत्थर' में कवि किसका वर्णन कर रहा है ? [1+1+1+1=4]

(*ii*) 'कोई न छायादार पेड़' से कवि का क्या मतलब है ?

(*iii*) उस स्त्री की कार्य-शैली कैसी है ?

(*iv*) 'सामने तरु मालिका अट्टालिका प्राकार' से क्या आशय है ?

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 निम्नलिखित में से किसी **एक** पर लगभग *200* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(*अ*) वैश्विक महामारी : कोरोना वायरस

(*ब*) 'ऑनलाइन शिक्षा' : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में

(*स*) पर्यावरण-प्रदूषण

(*द*) जहाँ चाह वहाँ राह

प्रश्न-4 अपने प्राचार्य को एक पत्र लिखिए, जिसमें आपके सहपाठी अशोक चौधरी द्वारा लॉकडाउन की अवधि में प्रशंसनीय कार्य के लिए उन्हें सम्मानित करने का अनुरोध किया गया हो। [1+3+1=5]

अथवा

डाक वितरण की अनियमितता के कारण आपको जो हानि हुई उसके सम्बन्ध में अधीक्षक, डाकतार विभाग को एक शिकायती पत्र लिखिए।

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(*अ*) इंटरनेट पत्रकारिता क्या है ?

(*ब*) पत्रकारिता में 'बीट' किसे कहते हैं ?

(*स*) कूटीकरण या एनकोडिंग से क्या तात्पर्य है ?

(*द*) संपादक का प्रमुख कार्य बताइए।

प्रश्न-6 'नाटक-लेखन' में संवाद तत्व की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए। [1+1+1=3]

अथवा

कहानी-लेखन में चरित्र-चित्रण के महत्व के तीन बिन्दुओं (विशेषताओं) पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-7 'महँगी होती उपचार व्यवस्था' विषय पर एक आलेख लिखिए। [3]

अथवा

'खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या' पर एक फीचर लिखिए।

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए : [2+2+2=6]

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँडेलता हूँ, भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है ?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!

(क) कवि किस पर क्या उड़ेलता है, जो पुन: भर-भर आता है ?

(ख) कवि ने दिल की तुलना किससे की है, और क्यों ?

(ग) कवि की मानसिक स्थिति कैसी है ?

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2+2=4]

तुलसी सरनाम गुलामु है राम को,
जाको रूचै सो कहै कछु ओऊ।
माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो,
लैबोको एकु न दैबेको दोऊ।

(क) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए।

(ख) काव्यांश के भाषिक-सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए।

प्रश्न-10 (क) 'उषा' कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है ? लिखिए। [3]

(ख) पतंग के माध्यम से कवि ने किस प्रकार के मनोविज्ञान का चित्रण किया है ? लिखिए। [3]

प्रश्न-11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2+2+2=6]

पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा-सा उपाय है। वह यह कि बाजार जाओ तो खाली मन न हो। मन खाली हो, तब बाजार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाज़ार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिल्कुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाजार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाजार की असली कृतार्थता है आवश्यकता के समय काम आना।

(क) बाजार के जादू से बचने का सर्वोत्तम उपाय क्या है ?

(ख) मन में लक्ष्य भरने का आशय स्पष्ट करके लिखिए।

(ग) जादू की जकड़ द्वारा लेखक क्या कहना चाहता है ? लिखिए।

प्रश्न-12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) फणीश्वरनाथ रेणु के किसी एक उपन्यास का नाम लिखिए। [1]

(ख) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ? [3]

(ग) कहानी के किस-किस मोड़ पर लुट्टन के जीवन में क्या-क्या परिवर्तन आए ? [3]

(घ) "तरुणों के लिए जैसे भविष्य उज्जवल होता है, वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत।" लेखक द्वारा ऐसा कहने के पीछे क्या आशय है ? समझाकर लिखिए। [3]

प्रश्न-13 यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों ? कोई चार कारण लिखिए। [4]

अथवा

"यशोधर बाबू के विचार पूरी तरह से पुराने हैं और वे सहानुभूति के पात्र नहीं हैं।" इस कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिए।

प्रश्न-14 (क) स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ? 'जूझ' कहानी के आधार पर लिखिए। [4]

अथवा

पुरातत्व के किन चिह्नों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि—"सिन्धु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।" कोई चार कारण लिखिए।

(ख) 'जूझ' कहानी आधुनिक किशोर-किशोरियों को किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है ? लिखिए। [4]

अथवा

"टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज होते हैं।" इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

———